प्रश्न बैंक

QUESTION BANK

कक्षा–10

विषय – हिन्दी

खण्ड–अ

निम्नांकित प्रश्नो में से दिए गए सही विकल्प का चयन कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए–प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है।

1. समास के भेद है–
   (अ) छह (ब) चार (स) पांच (द) तीन
2. किस समास मं पहला पद संख्यावाची होता है–
   (अ) द्वंद्व समास में (ब) द्विगु समास में
   (स) कर्मधारय समास में (द) तत्पुरूष समास में
3. किस समास में अंतिम पद प्रधान होता है–
   (अ) तत्पुरूष समास में (ब) कर्मधारय समास में
   (स) अव्यवी भाव समास में (द) द्विगु समास में
4. विशेषण और विषेय के सम्बन्ध वाले शब्द में कौनसा समास होता है–
   (अ) अव्ययी भाव (ब) द्वंद्व समास
   (स) कर्मधारय समास (द) तत्पुरूष समास
5. किस समास में प्रथम पद अव्यय होता है–
   (अ) तत्पुरूष समास (ब) कर्मधारय समास
   (स) अव्ययी भाव समास (द) द्विगु समास
6. द्वंद्व समास का उदाहरण है–
   (अ) शीतर्तु (ब) कृष्णार्जुन (स) देवासुर (द) ये सभी
7. कर्मधारय समास की विशेषता है–
   (अ) दोनों पद प्रधान (ब) प्रथम पद प्रधान
   (स) दूसरा पद प्रधान (द) विशेषण–विशेष्य
8. तुलसीकृत में कौनसा समास है–
   (अ) अव्ययी भाव समास (ब) कर्मधारय समास
   (स) तत्पुरूष समास (द) द्विगु समास
9. यथाशक्ति में कौनसा समास है–
   (अ) तत्पुरूष समास (ब) अव्ययी भाव समास
   (स) कर्मधारय समास (द) द्वंद्व समास
10. आजन्म शब्द का समास बताइए–
    (अ) तत्पुरूष समास (ब) अव्ययी भाव समास
    (स) कर्मधारय समास (द) बहुब्रीहि समास
11. कमल नयन में कौनसा समास है–
    (अ) कर्मधारय समास (ब) तत्पुरूष समास
    (स) बहुब्रीहि समास (द) अव्ययी भाव समास
12. पीताम्बर शब्द में कौनसा समास है–
    (अ) कर्मधारय समास (ब) तत्पुरूष समास
    (स) बहुब्रीहि समास (द) अव्ययी भाव समास
13. किस समास में दोनों ही पद प्रधान होते हैं–
    (अ) द्विगु समास (ब) द्वन्द समास
    (स) कर्मधारय समास (द) तत्पुरूष समास
14. गुणहीन में कौनसा समास है–
    (अ) तत्पुरूष समास (ब) कर्मधारय समास
    (स) अव्ययी समास (द) द्विगु समास
15. विद्यार्थी में कौनसा समास है–
    (अ) तत्पुरूष समास (ब) कर्मधारय समास
    (स) द्विगु समास (द) द्वन्द्व समास
16. जिस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता है, वह है–
    (अ) बहुब्रीहि समास (ब) तत्पुरूष समास

(स) कर्मधारय समास (द) द्विगु समास

17. राधा–कृष्ण में कौनसा समास है–
(अ) द्वन्द्व समास (ब) द्विगु समास
(स) कर्मधारय समास (द) तत्पुरूष समास

18. तत्परूष समास के उपभेद होते है–
(अ) पांच (ब) छह (स) चार (द) सात

19. ऋषि पत्नी का विग्रह होगा–
(अ) ऋषि की पत्नी (ब) ऋषि और पत्नी
(स) ऋषि के लिए (द) ऋषि द्वारा पत्नी

20. धर्मात्मा शब्द में कौनसा समास है–
(अ) तत्पुरूष समास (ब) कर्मधारय समास
(स) बहुब्रीहि समास (द) द्वन्द्व समास

21. समास का शब्दिक अर्थ होता है–
(अ) पद (ब) वाक्य (स) वर्ण (द) संक्षेप

22. कौनसा समास का भेद है–
(अ) तत्पुरूष समास (ब) अव्ययी भाव समास
(स) कर्मधारय समास (द) उपर्युक्त सभी

23. समास में आए हुए पदों को छोड़कर जब किसी अन्य पदार्थ की प्रधानाता हो तब उनमें कौनसा समास होता है–
(अ) द्विगु समास (ब) बहुब्रीहि समास
(स) तत्पुरूष समास (द) कर्मधारय समास

24. किसमें अव्ययी भाव समास नहीं है–
(अ) यथासंभव (ब) यथाशक्ति (स) आमरण (द) रसोईघर

25. किसमें अव्ययीभाव समास है–
(अ) एक–एक (ब) अन्न– जल
(स) गरीब–अमीर (द) सुख–दुःख

26. चक्रपाणि में कौनसा समास है–
(अ) बहुब्रीहि समास (ब) अव्ययी भाव समास
(स) द्विगु समास (द) कोई नहीं

27. किसमें द्वन्द्व समास नहीं है–
(अ) रूपया–पैसा (ब) दिन–रात
(स) सुख–दुःख (द) निडर

28. किसमें बहुब्रीहि समास है–
(अ) चक्रधर (ब) अजर (स) अधीर (द) अमर

29. नीलकण्ठ में कौनसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) बहुब्रीहि समास (द) द्विगु समास

30. वाणी पाणी में कौनसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) द्वन्द समास (द) बहुब्रीहि समास

31. लम्बोदर में समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) कर्मधारय समास (द) बहुब्रीहि समास

32. पांचपात्र में कौनसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) द्विगु समास (द) उपर्युक्त सभी

33. नवग्रह में समास विग्रह क्या होगा–
(अ) नौ ग्रहों से (ब) नौ ग्रहों का

(स) नौ ग्रहों का समाहार (द) कोई नहीं

34. देवासुर का समास विग्रह क्या होगा–
(अ) देव और असुर (ब) देव और सुर
(स) सुर और मानव (द) कोई नहीं

35. आपाद मस्त का समास विग्रह क्या होगा–
(अ) हाथ से मस्तक तक (ब) पैर से मस्तक तक
(स) आंख से मस्तक तक (द) मुख से मस्तक तक

36. चिड़ीमार का समास विग्रह क्या होगा–
(अ) चिडियों में मार (ब) चिड़ियों को मार
(स) चिड़ियों का मारने वाला (द) चिड़ियों के लिए मार

37. गौशाला में कौनसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) द्विगु समास (द) द्वन्द समास

38. आपबीती में कौसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) द्विगु समास (द) द्वन्द समास

39. भरपेट में कौनसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास
(स) द्विगु समास (द) बहुब्रीहि समास

40. हस्तलिखित में कौनसा समास है–
(अ) अव्ययी भाव समास (ब) तत्पुरूष समास (स) द्विगु समास (द) कर्मधारय समास

41. निम्न में से अशुद्ध शब्द है–
(अ) वीणा (ब) शाप (स) साप्ताहिक (द) व्यवहारिक

42. निम्न में अशुद्ध शब्द कौनसा है–
(अ) अक्षर (ब) अतिथि (स) अमिश (द) अर्थात

43. निम्न में से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए–
(अ) अंतर्ध्यान (ब) अंर्तध्यान (स) अंर्तधन (द) अंतर्धान

44. निम्न में से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए–
(अ)उज्ज्वल (ब)उज्जवल (स)उजजवल (द)उजज्वल

45. निम्न में से कौनसा शब्द अशुद्ध नहीं है–
(अ) ईक्षा (ब) अतिथि (स) उधम (द) अंकुर

46. निम्न में से शुद्ध शब्द है–
(अ)आशिर्वाद (ब)आर्शीवाद
(स)आर्शिवाद (द)आशीर्वाद

47. निम्न में से शुद्ध शब्द है–
(अ)उज्जयनी (ब)उज्ज्यनी
(स)उज्जयिनी (द)उज्जियनी

48. निम्न में से अशुद्ध शब्द है–
(अ) आमिश (ब) अमावस्या (स) आखिरी (द) ऐरावत

49. निम्न में से अशुद्ध शब्द है–
(अ) कार्पण्य (ब) गुहिणी (स) तैंतालीस (द) त्योहार

50. निम्न में से शुद्ध शब्द है–
(अ) छिद्रान्वेशी (ब) छिद्रान्वेषी
(स) छिद्रान्वेसी (द) कोई नहीं

51. निम्न में से शुद्ध शब्द है–
(अ) कैलास (ब) कैकेयी
(स) कालीदास (द) अ व ब दोनो

52. निम्न में से अशुद्ध शब्द है–
(अ)गृहिणी (ब)कुंटुम्ब
(स) एरावत (द)सभी सही
53. ज्योत्सना का शुद्ध रूप है–
(अ) ज्योत्स्ना (ब) ज्योत्सना (स) ज्योतस्ना (द) जयोत्स्ना
54. प्रदर्शिनी का शुद्ध रूप है–
(अ) प्रदर्शनी (ब) प्रर्दशिनी (स) प्रदर्शनी (द) प्रदशिनी
55. निम्न में से शुद्ध शब्द है–
(अ) बुंद्विमती (ब) बूद्विमती (स) बुद्विमति (द) बूद्विमति
56. निम्न में से शुद्ध शब्द है–
(अ) प्रज्ज्वलित (ब) प्रज्जवलीत
(स) प्रज्वलीत (द) प्रज्वलित
57. कौनसा शब्द शुद्ध नहीं है–
(अ) द्वारिका (ब) दैन्य (स) कुमुदिनी (द) चावल
58. कौनसा शब्द अशुद्ध है–
(अ) कैलाश (ब) कनिष्ठ (स) चिन्ह (द) सभी
59. कौनसा शब्द शुद्ध है–
(अ)बरात (ब)भारवि (स) षष्ट (द)हिरन
60. यूयुत्सा का शुद्ध रूप है–
(अ) युयूत्सा (ब) युयुत्सा (स) यूयूत्सा (द) यूयुत्सा
61. निम्न में शुद्ध शब्द कौनसा है–
(अ) रंगाई (ब) लिपि (स) वधु (द) रयचिता
62. युधीष्ठिर का शुद्ध रूप है–
(अ) युधिष्ठिर (ब) यूधिष्ठिर (स) युधिष्ठर (द) युधष्ठर
63. निम्न में से अशुद्ध शब्द नहीं है–
(अ) रूई (ब) लौहित (स) मिहीर (द) श्रेयकर
64. निम्न में शुद्ध शब्द छांटिए–
(अ) मुमुर्ष (ब) मुमूर्ष (स) मुमुर्षा (द) मुमूर्षा
65. निम्न में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है–
(अ) अंतर्राष्ट्रीय (ब) अन्तराष्ट्रीय
(स) अर्न्तराष्ट्रीय (द) अन्तराष्ट्रीय
66. निम्न में से वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द कौनसा है–
(अ) प्रादुर्भाव (ब) संश्लिष्ट (स) अधिशाषी (द) सन्यासी
67. वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द है–
(अ) सदुपदेश (ब) तदोपरांत (स) वाल्मीकि (द) अकिंचन
68. निम्न शब्द की सह वर्तनी कौनसी है–
(अ) ज्योर्तिमय (ब) ज्योतिर्मय
(स) ज्योतिमर्य (द) जोतिमय
69. निम्न में से कौनसा शब्द सही है–
(अ) अतिश्योक्ति (ब) अतिशेयोक्ति
(स) अतिशयोक्ती (द) अतिश्योक्ती
70. निम्न में से किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है–
(अ) अनंग (ब) परिहास (स) व्यंग (द) हास्य
71. निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द कौनसा है–
(अ) सतत (ब) अभ्यारण्य (स) अधिशासी (द) उक्त सभी

72. निम्न में से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए–
(अ) अनत्याक्षरी (ब) अन्त्याक्षरी
(स) अन्ताक्षरी (द) अन्तयाक्षरी
73. निम्न में से कौनसा शब्द शुद्ध है–
(अ) अनूचित (ब) अनुचीत (स) अनूचीत (द) अनुचित
74. निम्न में शुद्ध शब्द का चयन कीजिए–
(अ) लघुत्तर (ब) लघुतर (स) लघूत्तर (द) लघूतर
75. निम्न में से शुद्ध वाक्य छांटिए–
(अ) मेरी अभ्यास पुस्तिका अच्छा है
(ब) उसकी लेखन प्रभावशाली नहीं है
(स) दीपिका अच्छी कवि है
(द) हमारा समाज प्रगतिशील बने
76. निम्न में से अशुद्ध वाक्य छांटिए–
(अ) तीसरा मैय जयपुर में होगा
(ब) मुझे अभी जाना है ?
(स) मेरे पास केवल पचास रूपए है
(द) मैं खाएंगी
77. निम्न में से अशुद्ध वाक्य छांटिए–
(अ) माली वृक्षों में पानी लगा रहा है
(ब) सभी यात्री ट्रेन से सकुशल उतर गए
(स) भारत महान देश है
(द) हमारी समाज प्रगतिशील बने
78. निम्न में से शुद्ध वाक्य है–
(अ) हाथी जाती है (ब) दही खट्टी है
(स) अगूंर मीठी है (द) आम मीठा है
79. नागर नवल किशोर शब्द किसके लिए आया है–
(अ) उद्धव (ब) गोप (स) कृष्ण (द) श्यामा
80. निम्न में से सूरदास जी की रचना नहीं है–
(अ) सूरसागर (ब) सारसारावली
(स) साहित्य लहरी (द) रामचरित मानस
81. विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ रामचरित मानस के रचनाकार कौन है–
(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास
(स) जयशंकर प्रसाद (द) नागार्जुन
82. लक्ष्मण परशुराम संवाद रामचरित मानस के किस काण्ड से लिया गया है–
(अ) बाल काण्ड से (ब) अयोध्या काण्ड से
(स) सुन्दर काण्ड से (द) अरण्य काण्ड से
83. छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद का निधन कब हुआ था–
(अ) 15 नवम्बर 1937 (ब) 2 अगस्त 1973
(स) 27 नवम्बर 1942 (द) 15 नवम्बर 1932
84. कवि निराला मातृभूमि से क्या चाहते हैं–
(अ) सुखमय जीवन
(ब) शासक बनकर देश सेवा (स) शत्रुओं पर विजय
(द) मृत्यु से न डरते हुए जीवन का बलिदान कर देना
85. बिखरे मोती प्रसिद्ध कहानी संग्रह है–
(अ) सुभद्रा कुमारी चौहान (ब) महादेवी वर्मा
(स) मन्नु भण्डारी (द) प्रेमचन्द्र

86. रानी लक्ष्मी बाई का प्रिय खेल नहीं था–
(अ) नकली व्यूह रचना (ब) शिकार खेलना
(स) दुर्ग तोडना (द) मल्ल युद्ध
87. कवि नागार्जुन के बचपन का नाम था–
(अ) वैघनाथ मिश्र (ब) उदयनाथ
(स) आनन्द भिक्षु (द) सुदीप शर्मा
88. नागार्जुन मैथिली भाषा में किस उपनाम से रचना करते थे–
(अ) यात्री (ब) राही (स) साथी (द) बंधु
89. एक अदभुत अपूर्व स्वप्न में शरीर को बताया गया है–
(अ) चलायमान (ब) स्थिर (स) चंचल (द) शाश्वत
90. भारतेन्दु हरिशचन्द्र का जन्म स्थान है–
(अ) काशी (ब) पटना (स) जयपुर (द) जबलपुर
91. प्रेमचन्द के पहले कहानी संग्रह का नाम है–
(अ) मानसरोवर (ब) सोजे वतन (स) निर्मला (द) माधुरी
92. प्रेमचन्द उर्दू में किस नाम से लिखते थे–
(अ) नवाबराम (ब) धनपतराम
(स) प्रेमचन्द (द) उलफत राय
93. प्रेमचन्द को उपन्यास सम्राट कहा था–
(अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने (ब) भारतेन्दु हरिशचन्द्र ने
(स) जयशंकर प्रसाद ने (द) शरतचन्द्र ने
94. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सन 1903 से 1920 तक किस पत्रिका का सम्पादन किया था–
(अ) सरस्वती (ब) इन्दु (स) चाँद (द) जागरण
95. स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्को का खण्डन शीर्षक निबन्ध द्विवेदी जी के किस निबन्ध संग्रह से लिया गया है–
(अ) रसज्ञरंजन (ब) मालि मोद
(स) अद्भुत आलाप (द) साहित्य सीकर
96. मोहन राकेश ने किस पत्रिका का सम्पादन किया –
(अ) सारिका (ब) दिनमान (स) धर्मयुग (द) कल्पना
97. ईर्ष्या, तू न गई मेरे मन से निबन्ध दिनकर की किस पुस्तक से लिया गया है–
(अ) कुरूक्षेत्र (ब) अर्द्धनारीश्वर (स) रश्मिरथी (द) उर्वशी

निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. सूरदास के एक प्रामाणिक काव्य ग्रंथ का नाम लिखिए।
2. कृष्ण गौरी सम्बोधन किसके लिए कर रहे है।
3. कागद गरे मेघ, मसि खूटी आदि कथनों द्वारा गोपियां क्या बताना चाहती है–
4. मन माने की बात कथन से गोपियों का क्या अभिप्राय है।
5. लक्ष्मी के व्यंग्य वचनों से किसकी क्रोधाग्नि बढ रही थी।
6. राम–लक्ष्मण परशुराम संवाद में गाधिसूनु किसके लिए प्रयोग किया गया है।
7. शिवि का धनुष कैसे टूट गया था।
8. इहाँ कुम्हडबतिया कोउ नाही कहने से लक्ष्मण का क्या आशय है।
9. ईश्वर की प्रशसा के गीत कौन गा रही है
10. प्रभो कविता का विषय क्या है।
11. अंशुमाली का क्या अर्थ है।
12. जयशंकर प्रसाद के किन्ही तीन काव्य सग्रहों के नाम लिखिए।
13. मातृवंदना में कवि ने मां संबोधन किसके लिए किया है।
14. अभी न होगा मेरा अंत कविता किस ऋतु के आगमन की बात कही गई है।
15. फेरूंगा निद्रित कलियों पर पंक्ति में निद्रित कलियो का क्या आशय है।

16. खरतर शर का भाव स्पष्ट कीजिए।
17. रानी लक्ष्मीबाई बचपन में कौनसा खेल खेलती थी।
18. मृत्यु के समय रानी लक्ष्मीबाई की आयु कितनी थी।
19. देश में व्यापारी बनकर कौन आए थे।
20. रानी के साथ किन सखियों ने युद्ध किया था।
21. कविता उषा की लाली में हिमगिरी किसे कहा गया है।
22. झांसी के राजा के मरने पर कौन हर्षाया।
23. रानी के बलिदान से कवियित्री ने क्या आशा की है।
24. लक्ष्मण ने शूरवीरों के क्या लक्षण बताए हैं।
25. लेखक के मन में प्रथम विचार क्या आया
26. एक अदभुत अपूर्व स्वप्न की रचना लेखन ने किस शैली में की है।
27. भारतेन्दु जी को हिन्दी गद्य का जनक क्यों कहा जाता है।
28. लुप्त लोचन ज्योतिषीारण ने किस पुस्तक की रचना की थी।
29. भारतेन्दु हरिशचन्द ने कौन–कौनसी पत्रिकाएं निकाली।
30. प्रेमचन्द का पहला कहानी संग्रह साजे वतन है, साजे वतन है का अर्थ है–
31. ईद किस महीने में आती है।
32. हामिद की दादी का नाम था।
33. ईदगाह कहानी का नायक कौन है।
34. ईदगाह कहानी में किस समाज का चित्रण किया गया है।
35. बौद्ध धर्म के त्रिपिटक ग्रन्थ की भाषा क्या है।
36. बौद्ध ग्रंथ त्रिपिटिक के अंतर्गत थेरीगाथ में किसका वर्णन है।
37. रूक्मिणी हरण की कथा कहां मिलती है।
38. प्राकृत में लिखे दो ग्रंथों के नाम लिखिए।
39. स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन निबन्ध द्विवेदी जी के किस निबंध संग्रह से लिया गया है।
40. आखिरी चट्टान किस गद्य विद्या की रचना है।
41. पानी पर दूर तक सोना ही सोना ढुल गया कहने से लेखक का तात्पर्य क्या है।
42. कन्याकुमारी में किन तीन सागरों का संगम होता है।
43. विवेकानन्द ने कहां समाधि लगाई थी।
44. कन्याकुमारी भारत के किस राज्य में है।
45. तुम्हारी निन्दा वही करेगा जिसकी तुमने भलाई की है। यह कथन किस महापुरूष का है।
46. ईर्ष्या सबसे पहले किसको जलाती है।
47. ईर्ष्या, तु न गई मेरे मन से का वर्ण्य विषय क्या है।
48. नित्से ने मक्खियां किनको बताया है।
49. पाठ के अनुसार किसी मनुष्य की उन्नति कब संभव है।
50. बाल की खाल निकालना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
51. कमर कसना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
52. हाथ पैर फूल जाना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
53. घी के दीपक जलाना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
54. नौ दो ग्यारह होना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
55. आंखों से गिर जान मुहावरे का अर्थ लिखिए।
56. मन में चकरी होना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
57. हवा से बातें करना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
58. काम आना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
59. पर उपदेश कुंशल बहुतेरे लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
60. मान न मान मैं तेरा मेहमान लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
61. हराम का माल हराम में जाता है लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
62. अंधेर नगरी चौपट राजा लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

63. जिसकी लाठी उसकी भैंस लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
64. नौ दिन चले ढाई कोस लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
65. एक चुप सौ को हराए लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
66. लोकोक्ति किसे कहते है।
67. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
68. नाच ना जाने आंगन टेढा लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

दिए गए प्रश्नों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है।

69. दाख छुआरा छोडि अमृत फल, ... विष खात (विषकीरा/फनधारी)
70. कहां रहति काकी है..... देखी नाहिं कबहु ब्रज खोरी (भगिनी/बेटी)
71. सूरदास प्रभु ..... लूट्यौ नागर नवल किशोर (तनमन/सरबस)
72. सुनहुराम जेहि सिवधनु तोरा ..... सम सोरिपु मोरा (दशंकघर/सहसबाहु)
73. अब जनि देइ दोसू मोहि लोगू ..... बालकु बध जोगू (बकवादी/कटुवादी)
74. बोले चितइ ..... की ओरा। ए सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा (राम/वरसु)
75. विमल इन्दु की विशाल ..... प्रकाश तेरा बता रही है (किरणे/ज्योति)
76. विशाल मंदिर की ..... में, जिस देखना दीपमाला (वाटिका/यामिनी)
77. असीम उपवन के तुम हो माली, ... बराबर बता रही है (धरा/प्रभा)
78. मृदुल बसंत जीवन के ..... पड़ाव का प्रतीक है।
79. अभी–अभी ही तो आया है, मेरे जीवन में ..... बंसंत
80. बुझा दीप झाँसी का तब ..... मन में हरषाया।
81. ..... और ..... सखिय्यां रानी के संग आयी थी।
82. अभी कल तक धूल में नहाते थे, ... झुण्ड
83. और आज चालू हो गई है वर्षा में झींगुरों की ..... अविराम।
84. यही अंग्रेजी शिक्षा रही तो ..... की ओर मुख फेर कर भी कोई नहीं देखेगा।
85. इस चपल जीवन का क्षणभर का ..... नहीं।
86. ..... कोटि धन्यवाद देता हूं जिसने हमारी ऐसी बात सुनी।
87. रमजान के पूरे ..... रोजों के बाद ईद आयी है।
88. हामिद को ख्या आया दादी के पास ..... नहीं है।
89. बुढिया का क्रोध तुरंत ..... में बदल गया।
90. उस जमाने में प्राकृत ही ..... की भाषा थी।
91. शिक्षा बहुत ..... शब्द है।
92. मंडन मिश्र की ..... शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे।
93. सुनहले सूर्योदय और सूर्यास्त की भूमि ..... है।
94. लेखक कन्याकुमारी के ..... होटल में ठहरा था।
95. ..... की ऊंची–ऊंची लहरे मेरे आस–पास की स्याह चट्टानों से टकरा रही थी।
96. ईर्ष्या की बेटी का नाम ..... निंदा है।
97. चिंता को लोग ..... कहते है।
98. ईर्ष्या ये बचने का उपाय ..... है।

खण्ड–ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न ।प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

1.सूरदास पाठ के आधार पर राधा–कृष्ण में हुए वार्तालाप का सारांश लिखिए।
2.'तजि अंगार अघात' से क्या तात्पर्य है?
3.कृष्ण ने भोली राधा को बातों में कैसे उलझा लिया?
4.'उधौ मन माने माने की बात' गोपियों के इस कथन का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।
5.'ज्यौं पतंग दीपक सौ लपटात' कथन से क्या भाव व्यक्त किया गया है?
6.मथुरा के कुएं संदेशों से कैसे मर गए ?
7 'लक्ष्मण–परशुराम संवाद प्रसंग' के आधार पर परशुराम के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए
8. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएं बताई?
9. 'लक्ष्मण–परशुराम संवाद ' में किन जीवन मूल्यों को अपनाने का संकेत किया गया है?
10.'अयमय खांड न ऊखमय' का आश्य स्पष्ट कीजिए ?
11 शिव का धनुष कैसे टूट गया था ?
12.''इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं'' पंक्ति में लक्ष्मण की कौनसी विशेषता का पता चलता है ?
13.मुनि विश्वामित्र के कथन ''मुनिहि हरिअरइ सूझ'' का आशय क्या था ?
14.परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन–कौनसे तर्क दिये ?
15.'प्रकृति–पद्मिनी के अंशुमाली' से कवि का क्या आशय है ?
16.दयानिधि से क्या तात्पर्य है ?
17.कवि ने ईश्वर को अनादि क्यों कहा है ?
18.'नर जीवन के स्वार्थ सकल, बलि हो तेरे चरणों पर' इस काव्य पंक्ति में निहित कवि निराला के मनोभाव को स्पष्ट कीजिए।
19.कविता 'अभी न होगा मेरा अंत' के अनुसार बसन्त आगमन पर प्रकृति में कौन–कौनसे परिवर्तन परिलक्षित होते है ?
20.'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।
21.'मातृ वंदना' कविता से क्या प्रेरणा या संदेश व्यक्त हुआ है?
22.'अपने नव जीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा मैं'–इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
23.'झांसी की रानी' के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते है?
24.'मिला तेज से तेज' कवयित्री ने ऐसा क्यों कहा?
25.स्वतंत्रता की चिनगारी में किन–किन सपूतों ने लोहा लिया?
26.'बूढे भारत में आई फिर से नई जवानी थी' कवयित्री के इस कथन का क्या आश्य है? स्पष्ट कीजिए।
27.वर्षा ऋतु के आगमन से प्रकृति में कौन–कौनसे बदलाव आए हैं?
28.'उषा की लाली' कविता में व्यक्त भाव–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
29 'कल और आज' कविता में नागार्जुन ने ऋतु चक्र का सजीव वर्णन किस प्रकार किया है?
30.'देखता रह गया अपलक कवि।' इस पंक्ति का आश्य 'उषा की लाली' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
31.लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया?
32.'सब तो एक तप्त तवे की बूँद हुए बैठे हैं' कहने का आशय क्या है?
33.लेखक ने अपने नाम को स्थायी बनाने के लिए सर्वप्रथम क्या उपाय सोचा तथा उसको क्यों त्याग दिया?
34.'एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न' में लेखक ने किस बात का वर्णन किया है?
35.पाठशाला के प्रमुख अध्यापकों के नाम लिखिए।
36.पुस्तक के लेखन के विचार पर लेखक क्यों सहम गया?
37.ईदगाह कहानी के किस पात्र ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है और क्यों?
38.'ईदगाह' कहानी का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
39.हामिद के चरित्र की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।
40.हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या–क्या तर्क दिए?
41.'ईदगाह' कहानी के उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए, जिसमें ईद के अवसर पर ग्रामीण परिवेश का उल्लास प्रकट होता है।
42.ईदगाह कहानी द्वारा प्रेमचन्द ने क्या संदेश दिया है?
43.शकुन्तला ने दुष्यंत के विषय में दुर्वाक्य क्यों कहे?
44.द्विवेदी जी ने स्त्री शिक्षा के समर्थन में कौन–कौनसे तर्क दिये है?
45.'यह सारा दुराचार स्त्रियों के पढाने का ही कुफल है।' पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
46.शिक्षा सुधार की दृष्टि से आप शिक्षा–प्रणाली में मुख्य रूप से क्या परिवर्तन करना चाहेंगे?

47.''स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन'' शीर्षक पाठ में द्विवेदी जी ने क्या संदेश दिया है?
48.द्विवेदी जी ने प्राचीन और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्या अन्तर बताया है?
49.'आखिरी चट्टान' निबंध का लेखक एक टील से दूसरे टीले पर क्यों पहुचना चाहता था?
50.सूर्यास्त के समय समुद्र के पानी का किन विविध रंगों में परिवर्तन हुआ?
51.समुद्र की बढती हुई लहरों को देखकर लेखक क्यों चिन्तित हो गया था?
52.'लेखक प्रकृति के इस सौन्दर्य को समेट लेना चाहता था' लेखक प्रकृति के किस सौन्दर्य को समेट लेना चाहता था?
53.सूर्योदयकालीन क्षणों में लेखक ने क्या देखा?
54.रात में केप हॉटल के लॉन में बैठे हुए लेखक के मन में बैचेनी होने का क्या कारण था?
55.ईष्यालु लोगों से बचने के लिए नीत्से ने क्या उपाय बताया है?
56.लेखक ने ईष्यालु व्यक्ति के क्या–क्या लक्षण बताये है?
57.'तुम्हारी निंदा वही करेगा जिसकी तुमने भलाई की है।' कथन को स्पष्ट कीजिए।
58.'ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
59.चिंता को चिता के समान कहने का क्या कारण है?
60.ईर्ष्या की बेटी किसको बताया गया है तथा क्यों?
61.'बाजी मारना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
62.'हाथ मलना' मुहावरे का क्या अर्थ है? वाक्य में प्रयोग कीजिए।
63.'फूँक से पहाड़ उड़ाना' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।
64.'धूल में नहाना' मुहावरे का अर्थ बताओ तथा वाक्य में प्रयोग करो।
65.'ईद का मुहर्रम होना' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।
66.'रंग जमाना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
67.'दिल का गुबार निकालना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।
68.'छक्के छुड़ा देना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
69.'आँख लगना' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।
70.'काल के बस में होना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
71.'कोयले की दलाली में हाथ काले' कहावत को वाक्य में प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए।
72.'डूबते को तिनके का सहारा' लोकोक्ति का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।
73.'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाक्य में प्रयोग करके इस लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
74.'पराधीन सपनेहु सुख नाहीं' लोकोक्ति को इस प्रकार वाक्य में प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।
75.'उतर गयी लोई तो क्या करेगा कोई' लोकोक्ति का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
76.'चोर चोर मौसेरे भाई' लोकोक्ति का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
77.'आँख का तारा होना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
78.'आँखे भर आना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
79.'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
80.'फरा सो झरा' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
81.'थोथा चना बाजे घना' लोकोक्ति का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।

खण्ड–स

❖ **निम्नलिखित लघुतरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।**

1. यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को
चौंके सब सुनकर अटल कैकेयी स्वर को।
सब ने रानी की ओर अचानक देखा।
वैधव्य–तृषारावृता तथापि विधु लेखा।
बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा।
वह सिंही अब थी हहा। गौमुखीगंगा–
हां जनकर भी मैंने न भरत को जाना
सब सुन लें तुमने स्वयं अभी यह माना।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) सभा में सभी किसका स्वर सुनकर चौंक गए?
(स) सभा में रानी कैकेयी कैसी दिखाई दे रही थी?

अथवा

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी बना देवे।

काम पड़ने पर करे जो शेर का भी सामना।।

जो कि हँस–हँसके चबा लेते है लोहे का चना।

है कठिन कुछ भी नहीं जिनके है जी में यह ठना।।

कोस कितने ही चलें पर वे कभी थकते नहीं।

कौन सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) काव्यांश में किस बात का वर्णन है?
(स) चिलचिलाती धूप को चाँदनी बनाने का क्या अर्थ है?

2. उदयांचल से किरन–धेनुएँ

हांक ला रहा

वह प्रभात का ग्वाला।।

पूँछ उठाए चली आ रही

क्षितिज जंगलों से टोली

दिखा रहे पथ इस भू का

सारस सुना–सुनाकर बोली

गिरता जाता फेन मुखों से

नभ में बादल बन तिरता।।

किरन धेनुओं का समूह यह

आया अंधकार चरता।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) नभ में बादल बनकर कौन तैर रहा है?
(स) काव्यांश में 'प्रभात का ग्वाला' का क्या अभिप्राय है?

अथवा

भई, सूरज
जरा इस आदमी को जगाओ
भई, पवन
जरा इस आदमी को हिलाओ,
यह आदमी जो सोया पड़ा है,
जो सच में बेखबर
सपनों में खोया पड़ा है
वक्त पर जगाओ,
नहीं तो बेवक्त जागेगा यह
तो जो आगे निकल गए हैं
उन्हें पाने घबरा कर भागेगा यह
घबरा के भागना अलग है
क्षिप्र तो वह है जो सही क्षण में सजग है
सूरज इसे जगाओ, पवन इसे हिलाओ।

(अ) कविता में कैसे आदमी को जगाने की बात कही गई है?
(ब) आदमी को वक्त पर जगाना क्यों आवश्यक है?

3. स्वप्न आता स्वर्ग का, हग
कोरकों में दीप्ति आती,
पंख लग जाते पगों को
ललकती उन्मुक्त छाती।
रास्ते का एक काँटा
पाँव का दिल चीर देता।
रक्त की दो बूँद गिरती
एक दुनियाँ सी डूब जाती
आँख में हो स्वर्ग लेकिन
पाँव पृथ्वी पर टिकें हो।
कंटकों की इस अनोखी
सीख का सम्मान कर लें।

पूर्व चलने के बटोही

बाट की पहचान कर ले।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) बाट(राह) की पहचान करना क्यों आवश्यक है?
(स) मार्ग के काँटे हमें क्या सीख देते है?

अथवा

मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,

सुख स्वर्ग–सा जहाँ है वह देश कौनसा है?

जिसका चरण निरन्तर रजेश धो रहा है।

जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौनसा है?

नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बह रही है,

सींचा हुआ सलोना, वह देश कौनसा है?

जिसके बड़े रसीले फल, कंद, नाज,मेवे,

सब अंग में सजे है वह देश कौनसा है?

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) नदियों में किसकी धारा बह रही है?
(स) पद्यांश में मनमोहिनी किसके लिए प्रयुक्त किया गया है?

4. आज भी विश्वास मेरा, तुम बहुत हो काम के,

तुम बदल सकते हो नक्शे, आज फिर अवाम के,

पर जरा नीचे पधारो और पश्चाताप कर लो,

धर करो मजबूत पहले औ दिलों को साफ कर लो।।

मोह छोड़ो कुर्सियों का, साँस लो अवकाश लो,

फिर नई ताकत जुटाओ, देश का विश्वास लो।

आस्था का देश है यह, सौ गुना फिर पाओगे।

यह मुहूरत टल गया तो देखना पछताओगे।।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) कवि क्या कह कर युवाओं को प्रोत्साहित कर रहा है?
(स) रेखांकित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रणभेरी सुन, कह विदा–विदा

जब सैनिक पुलक रहें होंगे।

हाथों में कुमकुम थाल लिए

कुछ जल कण लुढक रहे होंगे।

कर्तव्य प्रेम की उलझन में

पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।

वेदी पर बैठा महाकाल,

जब नर बली चढा रहा होगा।

बलिदानी अपने ही कर से,

निज मस्तक बढा रहा होगा।

उस बलिदान प्रतिष्ठा में,

पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।

कुछ मस्तक कम पड़ते होंगे,

जब महाकाल की माला में।

माँ! माँग रही होगी आहूति,

जब स्वतंत्रता की ज्वाला में।

पल भर भी पड़ असमंजस मे,

पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) युद्ध की रणभेरी सुनकर सैनिकों की क्या प्रतिक्रिया होती है?
(स) जब स्वदेश बलिदान माँग रहा हो तो हमारा क्या कर्तव्य है?

5. दो न्याय अगर तो आधा दो
पर इसमें भी यदि बाधा हो।
तो दे दो केवल पाँच गाँव
रखो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं खुशी से खाएंगे।
परिजन पर असि न उठाएंगे।
दुर्योधन वह भी दे न सका,
आशीष समाज की ले न सका,
उलटे हरि को बाँधने चला।
जब नाश मनुज पर होता है,
पहले विवेक मर जाता है।

(अ) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) श्री कृष्ण ने दुर्योधन से क्या माँगा?
(स) दुर्योधन ने श्री कृष्ण की बातों का क्या उत्तर दिया?

अथवा

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम याकि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों बृत से झर के कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रूका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।

जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिले।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) कवि के अनुसार सच क्या है?
(स) 'जो नत हुआ वह मृत हुआ' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. अरूण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ–विभा पर – नाच रही तरूशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर – मंगल कुमकुम सारा।
लघु सुरधेनु से पंख पसारे – शीतल मलय समीर सहारे।
लड़ते खग जिस और मुंह किए – समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल – बनते जहाँ किनारा।
लहरें टकराती अनंत की – पाकर जहाँ किनारा।
हेम कुंभले उषा सवेरे– भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मंदिर ऊँघते रहते जब– जगकर रजनी भर तारा।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) 'मंगल कुमकुम' किसके लिए कहा गया है?
(स) पद्यांश में वर्णित देश की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

सहने की सीमा होती,
सह सका न पीड़ा अन्तर।
हा, सन्धि पत्र लिखने को
वह बैठ गया आसन पर।।

कह सावधान रानी ने
राणा का थाम लिया कर।
बोली अधीर पति से वह
कागद मसिपात्र छिपाकर।।

तू भारत का गौरव है
तू जननी सेवारत है।
सच कोई मुझसे पूछे
तो तू ही तू भारत है।।

यदि तू ही कायर बनकर
बैरी से सन्धि करेगा।
तो कौन भला भारत का
बोझा माथे पर लेगा।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) महाराणा को सन्धिपत्र लिखने को तैयार देखकर रानी ने क्या किया?
(स) रानी ने अधीर होकर महाराणा से क्या बात कही?

7. शब्दों की दुनिया में मैने
हिन्दी के बल अलख जगावे।
जैसे दीप–शिखा के बिखे
कोई ठण्डी रात बिताये।।
जो कुछ हूँ हिन्दी से हूँ मैं
जो हो लूँ हिन्दी से हो लूँ।
हिन्दी सहज क्रान्ति की भाषा
यह विप्लव की अकथ कहानी।
मैकाले पर भारतेन्दु की
अमर विजय की अमिट निशानी।।
शेष गुलामी के दागो को
जब धोलूँ हिन्दी में धोलूँ।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) कवि ने हिन्दी के बल पर अलख किस प्रकार जगाई है?
(स) हिन्दी को क्रान्ति की भाषा कहकर कवि इससे क्या करना चाहता है?

अथवा

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश
पल पल परिवर्तित प्रकृति–वेग।
मेखलाकार पर्वत आपार
अपने सहस्त्र–दृग–सुमन फार
अवलोक रहा है बार बार
नीचे जल में निज महाकार
जिसके चरणों में पड़ा ताल
दर्पण–सा फैला है विशाल।
गिरि सा गौरव गाकर झर–झर
मद में नस–नस उतेजित कर
मोती की लड़ियों से सुन्दर
झरते हैं झाग भरे निर्झर।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) पर्वत का आकार कैसा है?
(स) रेखांकित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

8. पंचवटी की छाया में है, सुन्दर पर्ण–कुटीर बना।
उसके सम्मुख स्वच्छ शिला पर, धीर, वीर, निर्भीक बना।।
जाग रहा वह कौन धनुर्धर, जबकि भुवन पर सोता है।
भोगी कुसुमायुध योगी–सा बना दृष्टिगत होता है।।
किस व्रत में है व्रती वीर यह, निद्रा का यों त्याग किए।
राजभोग के योग्य विपिन में, बैठा आज विराग लिए।।
बना हुआ है प्रहरी जिसका, उस कुटीर में क्या धन है।
जिसकी रक्षा में रत इसका तन है, मन है, जीवन है।।
मर्त्यलोक मालिन्य मेटने स्वामी संग जो आयी है।
तीन लोक की लक्ष्मी ने यह, कुटी आ अपनाई है।।
वीर वंश की लाज यही है, फिर क्यों वीर न हो प्रहरी।
विजन देश है, निशा शेष है, निशाचरी माया ठहरी।।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) लक्ष्मण को किसकी उपमा दी गई है, वह प्रहरी बन किस प्रकार रक्षा कर रहा है?
(स) वनवास में क्या–क्या संकट हो सकते है?

अथवा

फैली खेतों में दूर तलक,
मखमल सी कोमल हरियाली।
लिपटी जिससे रवि की किरणें,
चाँदी की–सी उजली जाली।।
तिनकों के हरे–हरे तन पर,
हिल हरित रंग है रहा झलक।
श्यामल भूतल पर झुका हुआ,
नभ का चिर निर्मल नील फलक।।
रोमांचित सी लगती वसुधा,
आई जौ–गेहूँ में बाली।
अरहर सनई की सोने की,
किंकिणियाँ है शोभा वाली।।
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध,
फूली सरसों पीली–पीली।
लो हरित धरा से झाँक रही,
नीलम की कली तीसी नीली।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) प्रातः काल हरे–भरे खेतों पर सूर्य की किरणें कैसी दिखाई देती है?
(स) धरती ने मानों सोने की करधनी पहन रखी हो, कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

9. ओ बदनसीब अन्धों! कमजोर अभागो,
अब तो खोलो नयन नींद से जागो।
वह अधी? बाहुबल का जो अपलापी है,
जिसकी ज्वाला बुझ गई, वह पापी है।
जब तक प्रसन्न यह अनल सगुण हँसते है,
है जहाँ खडग, सब पुण्य वहीं बसते हैं।
वीरता जहाँ पर नहीं पुण्य का क्षय है,
वीरता जहाँ पर नहीं स्वार्थ की जय है।
तलवार पुंण्य की सखी, धर्म पालक है।
लालच पर अंकुश कठिन, लोभ सालक है।
असि छोड़, भीरू बन जहाँ धर्म सोता है,
पावक प्रचण्डतम वहाँ प्रकट होता है।

(अ) भारतवासियों के प्रति कवि क्यों आक्रोशित है?
(ब) पुण्य का क्षय और स्वार्थ का उदय कब होता है?
(स) धर्म का पालन किस प्रकार किया जा सकता है?

अथवा

क्षमा गोमती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो,
उसको क्या ज्यों दंतहीन
विषहीन पिनत सरल हो

तीन दिवस तक पंथ माँगते
रघुपति सिंधु किनारे,
बैठे पढते रहे छन्द
अनुनय के प्यारे–प्यारे।
उतर में जब एक नाद भी उठा नहीं सागर से,
उठी अधीर धधक पौरूष की
आग राम के शर से।
सिन्धु देह धर 'त्राहि–त्राहि'
करता आ गिरा शरण में,
चरण पूज, दासता ग्रहण की
बंधा मूढ बन्धन में।
सच पूछो तो शर में ही, बसती है दीप्ति विनय की,
सन्धि वचन संपूज्य उसी का
जिसमें शक्ति विजय की।

(अ) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) सिन्धु 'त्राहि–त्राहि' करते हुए किसके चरणों में आ गिरा तथा क्यों?
(स) 'सन्धि वचन संपूज्य उसी का जिसमें शक्ति विजय की' का क्या आशय है?

10. चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूथा जाऊँ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर है हरि! डाला जाऊँ
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर तुम देना फेंक
मातृभूमि पर शीश चढाने
जिस पथ पर जाएं वीर अनेक।।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) रेखांकित शब्द 'इठलाऊँ' का अर्थ बताइए।
(स) उपर्युक्त काव्यांश की मूल संवेदना लिखिए।

अथवा

फूलों की राह पुरानी है,
शूलों की राह नयी साथी
सुमनों के पथ पर चरणों के
कितने ही चिन्ह पड़े होगे
लालायित फिर भी चलने को
कितने ही चरण खड़े होंगे
पर, गैल अछूती गुलों की
जो चूमे वही जवानी है
जो लहू सींच कर बढते हैं
उनका ही कूच रवानी है।
जीवन की चाह पुरानी है
मरने की चाह नयी साथी
फूलों की राह पुरानी है,
शूलों की राह नयी साथी

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) कौनसी राह अछूती रह जाती है?

(स) कौनसी राह को नई माना गया और क्यो?

- निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भ्रमरगीत प्रसंग के आधार पर गोपियों के कृष्ण के प्रति उनके प्रेम का वर्णन कीजिए।

अथवा

'लक्ष्मण–परशुराम संवाद' चाह के आधार पर लक्ष्मण के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

2 कृष्ण एवं राधा की प्रथम भेंट को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

अथवा

''लक्ष्मण–परशुराम संवाद'' पाठ में कविवर तुलसी की किस काव्यगत विशेषता के दर्शन होतो है? संक्षेप में लिखिए।

3 'बूझत स्याम कौन तु गौरी' पद में राधा और कृष्ण में जो संवाद हुआ है, उसे लिखिए।

अथवा

''लक्ष्मण–परशुराम संवाद में व्यंग्य का अनूठा सौन्दर्य है'' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4 महाकवि सूरदास का परिचय संक्षेप में लिखिए।

अथवा

''लक्ष्मण–परशुराम संवाद'' पाठानुसार परशुराम की क्रोधाग्नि कैसे शान्त हुई? लिखिए।

5 प्रभो कविता का मूलभाव या प्रतिपाध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मातृवंदना' कविता में कवि माँ के चरणों में क्या–क्या समर्पित करना चाहता है?

6 कवि ने ईश्वर को अनादि क्यों कहा है?

अथवा

'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

7 प्रभो कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'मातृवंदना' कविता में निराला जी के हृदय की देशभक्ति की भावना मर्मस्पर्शी रूप में व्यक्त हुई हैं। इस कथन पर अपना मत लिखिए।

8 'झाँसी की रानी' कविता के माध्यम से अंग्रेजों की नीतियों तथा अत्याचारों का वर्णन कीजिए।

अथवा

'कल और आज' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

9 'झाँसी की रानी' कविता के आधार पर रानी लक्ष्मी बाई के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कल और आज' कविता के द्वारा क्या संदेश दिया गया है? स्पष्ट कीजिए।

10 सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित 'झाँसी की रानी' कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'उषा की लाली' कविता के आधार पर बताइए कि कवि 'अपलक' क्या देखत रह गया? स्पष्ट कीजिए।

11 सप्रमाण सिद्ध कीजिए कि भारतेन्दु जी ने इस निबन्ध में तत्कालीन समाज का चित्र व्यंग्य के माध्यम से उपस्थित किया है।

अथवा

'ईदगाह' मुंशी प्रेमचंद की बाल मनोविज्ञान की चरितार्थ करने वाली एक प्रतिनिधि कहानी है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

12 'ईदगाह' कहानी का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न' निबन्ध में मुख्यतः किस पर व्यंग्य किया गया है?

13 पण्डित प्राणान्तक प्रसाद की क्या विशेषता बताई गई है?

अथवा

'ईदगाह' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

14 'ईदगाह' कहानी द्वारा प्रेमचन्द ने क्या सन्देश दिया है?

अथवा

'एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न' निबन्ध की भाषा शैली पर अपने विचार लिखिए।

15 'इस चपल जीवन का क्षण भर का भी भरोसा नहीं' भारतेन्दु जी के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या–क्या तर्क दिये? 'ईदगाह' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

16 द्विवेदी जी ने शिक्षा प्रणाली के विषय में क्या विचार प्रस्तुत किये है? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूर्यास्त के पश्चात समुद्र तट का चित्रण कीजिए।

17 'स्त्री शिक्षा समाज के पतन का कारण नहीं वरन् समाज के विकास की सीढी है' इस कथन के आलोक में स्त्री शिक्षा पर अपने विचार लिखिए।

अथवा

'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर ईष्यालु मनुष्य के चरित्र की कमजोरियों का वर्णन कीजिए।

18 द्विवेदी जी ने महिला शिक्षा के समर्थन में कौन–कौनसे तर्क दिये है? पाठ के आधार पर लिखिए।

अथवा

'भारत प्रकृति का खूबसूरत उपहार है' इस कथन को 'आखिरी चट्टान' पाठ के आधार पर समझाइए।

19 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्को का खण्डन' निबन्ध में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' रचना का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

20 रामधारी सिंह दिनकर ने ईर्ष्या से बचने के क्या–क्या उपाय बताये है?

अथवा

'आखिरी चट्टान' पाठ के आधार पर समुद्र तट के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

- निम्नांकित साहित्यकारों का जीवन एवं कृतित्व परिचय दीजिए।

1	सूरदास	अथवा	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2	मोहन राकेश	अथवा	जयशंकर प्रसाद
3	तुलसीदास	अथवा	मुंशी प्रेमचंद
4	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	अथवा	मुंशी प्रेमचंद
5	जयशंकर प्रसाद	अथवा	महावीर प्रसाद द्विवेदी

6	महावीर प्रसाद द्विवेदी	अथवा	तुलसीदास
7	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	अथवा	मोहन राकेश
8	रामधारी सिंह 'दिनकर'	अथवा	सूरदास
9	सुभद्रा कुमारी चौहान	अथवा	रामधारी सिंह 'दिनकर'
10	नागार्जुन	अथवा	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड-द

निम्न प्रदर्शित यातायात चिन्हों का सांकेतिक अर्थ बताते हुए इनका विश्लेषण भी करें।

1.

2.

3

4.

5. 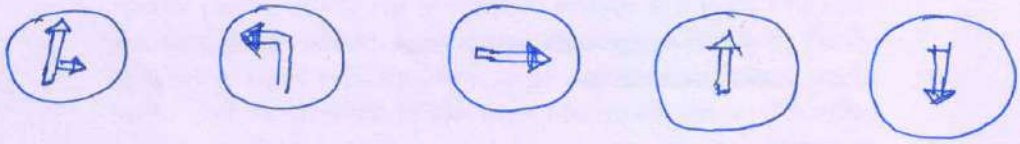

6.

7.

8.

9.

10.

अथवा.

1. सड़क पर झड़े (रोड़ रेज) के प्रमुख कारण क्या है?
2. यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है? सही प्रकार से यदि वाहन न चलाया जाए तो होने वाली समस्याओं व दुर्घटनाओं पर प्रकाश डालिए।
3. 'सड़क सुरक्षा का उत्तरदायित्व नागरिकों पर है या सरकार पर' इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
4. कोहरे में गाड़ी चलाते समय क्या–क्या सावधानियाँ आवश्यक है? विस्तार से लिखिए।
5. शराब का सेवन कर वाहन चलाने से क्या दुष्परिणाम हो सकते है? यदि आपका दोस्त या रिश्तेदार ऐसा करता है तो आप क्या करेंगे?
6. सड़क सुरक्षा से संबंधित भारतीय नागरिक के क्या–क्या कर्तव्य हो सकते है? विस्तारपूर्वक लिखिएं।
7. वाहन चलाते समय चालक को क्या–क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए?
8. सड़क दुर्घटना के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के क्या निर्देश है? बताइए।
9. रात्रि के दौरान ड्राइविंग को सुरक्षित बनाने के उपाय बताइए।
10. एक अच्छे नागरिक होने के नाते सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की आप किस प्रकार सहायता करेंगे।

1. स्वंय को भरतपुर निवासी अविनाश मानते हुए भरतपुर के नगर निगम के कार्यकारी अधिकारी को सड़कों पर बढ रहे अतिक्रमण को नियंत्रण करने हेतु पत्र लिखिए।

अथवा

स्वयं को कपिल मानते हुए अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी के आए दिन होने वाली चोरियों की शिकायत करते हुए एक पत्र लिखिए।

2. स्वयं को जिलाधीश 'गया' मानते हुए अपनें जिले के समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के संस्था–प्रधान को एक पत्र लिखिए, जिसमें अपने विद्यालय में गाँधीजी की 150वीं जयंती मनाने के आदेश दिये गये हो।

अथवा

स्वयं को उदयपुर निवासी अर्पिता मानते हुए अपने जिला पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा संबंधी पत्र लिखिए, जिसमें आपके मोहल्ले में बाहरी लोगों द्वारा की जा रही संदेहास्पद गतिविधियों का उल्लेख हो।

3. स्वयं को गजपुर निवासी मदन मानते हुए अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपके विद्यालय में रिक्त पदों पर शिक्षक लगाने का निवेदन हो।

अथवा

अपने आप को रामपुर निवासी रतन मानते हुए अपने जिला चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखिए। पत्र में अपाके गाँव में फैल रही मौसमी बीमारियों की रोकथाम का निवेदन हो।

4. स्वंय को बापूनगर निवासी हिमांशु मानकर शैक्षिक भ्रमण का वर्णन करते हुए अपने मित्र प्रियांशु को एक पत्र लिखिए।

अथवा

स्वंय को शास्त्रीनगर निवासी सुधांशु मानकर अपने छोटे भाई को धुम्रपान एवं नशे की लत से दूर रहने की समझाइश देते हुए एक पत्र लिखिए।

5. आपका नाम ईशान्त है। आप लक्ष्मीनगर, जयपुर के है। आपके क्षेत्र में अक्सर अनियमित बिजली कटौती की समस्या रहती है। नियमित विद्युत सप्लाई दिलाने हेतु मुख्य अभियंता 'विद्युत' जयपुर को शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

स्वंय को रतलाम का पुस्तक विक्रेता दीपक मानते हुए पुस्तक महल, नई दिल्ली नवीनतम पुस्तक सूची भेजने हेतु एक पत्र लिखिए।

6. कार्यालय शिक्षा निदेशक राजस्थान की ओर से राज्य के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों के नाम एक परिपत्र का प्रारूप बनाएं जिसमें योगासन और प्राणायाम को विद्यालयों में दैनिक चर्या का अंग बनाये जाने का उल्लेख हो।

अथवा

जिला शिक्षा अधिकारी, बीकानेर की ओर से सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालगढ़, बीकानेर में बोर्ड परीक्षा–केन्द्र की स्वीकृति हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए।

7. प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सोमपुर की ओर से अपने जिला रामपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय के छात्रों के स्वास्थ्य परीक्षण का निवेदन हो।

अथवा

स्वंय को अभिनव उच्च माध्यमिक विद्यालय , सोमपुर का छात्र मोनीसिंह मानते हुए अपने प्रधानाचार्य को विद्यालय बंद सह–शैक्षिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालन करने की व्यवस्था के लिए एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

8. स्वंय को भरतपुर निवासी सुदीप मानते हुए मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए निर्वाचन अधिकारी को आवेदन कीजिए।

अथवा

जिला कलेक्टर, बाड़मेर को एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें गाँव में चल रहे मनरेगा कार्यों में बरती जा रही असावधानियों का उल्लेख हो।

9. राजस्थान राज्य के शिक्षा मंत्री को एक शिकायती पत्र लिखिए, जिसमें 'मिड–डे–मील' का स्तर सुधारने के लिए लिखा गया हो।

अथवा

स्वंय को माध्यमिक विद्यालय, बसन्तपुर का विद्यार्थी मयंक मानते हुए प्रधानाचार्य को पुस्तकालय की व्यवस्था–सुधार हेतु एक प्रार्थना–पत्र लिखिए।

10. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसपुर का छात्र मानकर प्रधानाचार्य को विद्यालय में खेल सुविधाएँ बढाने का निवेदन किया गया हो, ऐसा प्रार्थना–पत्र लिखिए।

अथवा

विद्यालयी शिक्षा निदेशक की ओर से एक शासनादेश का प्रारूप तैयार कीजिए जिसमें सभी विद्यालयों के व्यायाम शिक्षकों का विवरण भेजने का निर्देश हो।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते